मैं ना हारूंगा तेरे रहते हुए | By Ashish Sharma

बड़ा गर्व है ये मुझे कहते हुए
मैं ना हारूंगा तेरे रहते हुए
तेरे रहते हुए .....

जब भी तुझे है पुकारा
जीवन को तूने संवारा
मझधार में जो घिरने लगा तो
आकर के मुझको निकाला
तेरे बिन मैं तो कुछ ना प्रभु
तेरे एहसान मैं कैसे कहूं
आंसू पोंछे हैं तूने बहते हुए
तूने बहते हुए.....

हारे के तुम हो सहारे
हार के हमने था जाना
पाई जो तेरी दया तो
बाबा तुझे मैंने माना
दु:ख जितने जहाँ ने दिए
तूने बाबा सभी हर लिए
सीना चौड़ा हुआ ये कहते हुए
ये कहते हुए.....

अब एक विनती यही है
तुमसे मेरे श्याम प्यारे
रंग जो चढ़ा तेरा मुझपे
उतरे किसी के ना उतारे
सारा जीवन मेरा प्रभु
तेरी सेवा में सौंप दूँ
हरी प्राण तजूं यही कहते हुए
यही कहते हुए.....

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%ae%e0%a5%88%e0%a4%82-%e0%a4%a8%e0%a4%be-%e0%a4%b9%e0%a4%be%e0%a4%b0%e0%a5%82%e0%a4%82%e0%a4%97%e0%a4%be-%e0%a4%a4%e0%a5%87%e0%a4%b0%e0%a5%87-%e0%a4%b0%e0%a4%b9%e0%a4%a4%e0%a5%87-%e0%a4%b9/